शेख़ फ़रीद - सबद ३७

नाती धोती स्मबही सुती आइ नचिंदु ॥

सलोक, सेख फरीद, गुरु ग्रंथ साहिब, १३७९

नाती धोती स्मबही सुती आइ नचिंदु ॥
फरीदा रही सु बेड़ी हिंङु दी गई कथूरी गंधु ॥३३॥

सार: कई धार्मिक परंपराओं में अनुष्ठान, शुद्धिकरण और बाहरी अनुशासन को भक्ति की आवश्यक अभिव्यक्तियाँ माना जाता है। हालाँकि इस पर अत्यधिक ध्यान, गहन ज्ञान की हमारी खोज में बाधा डाल सकता है। यह हमें विचार करने के लिए प्रेरित करता है, क्या हम वास्तव में अपने सच्चे सार का पोषण कर रहे हैं या केवल अपनी छवि को सजाने में लगे हैं? आंतरिक जागरूकता के बिना बाहरी शुद्धता पर ज़ोर देना सुरक्षित, दृश्यमान या आध्यात्मिक महसूस करने का एक भ्रामक प्रयास है। यह भ्रम आत्म-छल का रूप ले सकता है जैसे अगरबत्ती की सुगंध को अपनी प्राकृतिक सुगंध मान लेना। सच्ची आध्यात्मिकता हमें सभी दिखावे को त्यागने और प्रामाणिकता को अपनाने के लिए कहती है। यह आंतरिक परिवर्तन ही शाश्वत जागरूकता के सार को प्रकट करता है और हमें वास्तविक आध्यात्मिक पूर्णता की ओर ले जाता है।

नाती धोती स्मबही सुती आइ नचिंदु ॥
नहा-धो कर और वस्त्र पहनने के बाद वह निश्चिंत होकर सो गई है। यह आचरण उस मानसिकता को दर्शाता है जो मानती है कि केवल बाहरी अनुशासन और भक्ति ही आत्मज्ञान दिला सकती है।

फरीदा रही सु बेड़ी हिंङु दी गई कथूरी गंधु ॥३३॥
फ़रीद कहते हैं कि हींग की तीखी गंध बनी रहती है और कस्तूरी की मीठी सुगंध गायब हो जाती है। यह इस तथ्य का प्रतीक है कि अज्ञानता जागरूकता पर हावी हो गई है। (३३)

तत्त्व: शेख़ फ़रीद बाहरी प्रयासों और आंतरिक सार के बीच के अंतर को उजागर करते हैं। वह इस रूपक का उपयोग उन लोगों के लिए करते हैं जो शुद्धिकरण से गुजरते हैं और फिर यह मानकर आत्मविश्वास से विश्राम करते हैं कि उन्होंने पर्याप्त प्रयास कर लिया है। हालाँकि अपने प्रयासों के बावजूद उनमे अभी भी एक अप्रिय गंध है और सुगंध का अभाव है। आध्यात्मिक रूप से यह उन व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करता है जो सोचते हैं कि उनका बाहरी अनुशासन या धार्मिक दिखावा ज्ञान प्राप्त करने के लिए पर्याप्त है। अपने सभी कर्मकांडीय प्रयासों के बावजूद भी अहंकार और अज्ञानता की अप्रियता को सहन करते हैं जो विनम्रता और जागरूकता की सुंदरता को ढक लेती है। यह संदेश आंतरिक शुद्धि के लिए एक आह्वान के रूप में कार्य करता है जो केवल अनुष्ठानों और दिखावे से परे है और हमसे भीतरी सच्चे ज्ञान की खोज करने का आग्रह करता है।

पहलकदमी

Oneness In Diversity Research Foundation

वेबसाइट: OnenessInDiversity.com

ईमेल: onenessindiversityfoundation@gmail.com